

**PAPER-III**  
**SOCIOLOGY**

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_

(In words)

**J 0 5 1 1**

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

## **SOCIOLOGY**

**समाजशास्त्र**

**PAPER – III**

**प्रश्नपत्र – III**

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

**SECTION – I**

**खंड – I**

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

**नोट :** इस खंड में **बीस-बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Emergence of regional forces in India has become a threat to Nation Building. Discuss.

भारत में उभरती क्षेत्रीय शक्तियाँ राष्ट्रीय निर्माण के लिए खतरा है । चर्चा कीजिए ।

**OR/अथवा**

Empowerment of Dalits and OBCs is a pre-requisite for balanced social development of Indian society. Aruge in favour or against.

दलितों एवं ओ.बी.सी. का सशक्तिकरण भारतीय समाज के संतुलित सामाजिक विकास के लिए पूर्व-अपेक्षित आवश्यकता है । इसके पक्ष अथवा विपक्ष में युक्तियाँ दीजिए ।







2. Discuss the role of Panchayati Raj Institution in the empowerment of women in India.  
भारत में नारी सशक्तिकरण में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका का विवेचन कीजिए ।

**OR/अथवा**

Evaluate the impact of industry on various facets of society.  
समाज के भिन्न पक्षों पर उद्योग के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए ।

**OR/अथवा**

How do ethnic movements of India act as stumbling blocks for socio-economic development ?

भारत में नृजातीय आन्दोलन समाज-आर्थिक विकास में किस प्रकार बाधक बनते हैं ?

**OR/अथवा**

Checking maternal mortality is the answer to women's empowerment and development. Discuss.

मातृ मृत्यु दर की रोकथाम नारी सशक्तिकरण एवं विकास का विकल्प है । विवेचन कीजिए ।

**OR/अथवा**

Critically examine the role of Non-governmental organizations in the welfare and development of women in India.

भारत में नारी कल्याण एवं विकास में गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।









## SECTION – II

### खंड – II

**Note :** This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

**नोट :** इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

### Elective – I / ऐच्छिक – I

#### Rural Sociology

#### ग्रामीण समाजशास्त्र

3. Give a brief account of any one important peasant studies done in India.  
भारत में हुए महत्वपूर्ण किसान अध्ययनों में से किसी एक का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
4. Discuss Agrarian class structure in India.  
भारत में कृषि वर्ग संरचना की विवेचना कीजिए ।
5. Write a brief essay on the trends of changes in Indian rural society.  
भारतीय ग्रामीण समाज में परिवर्तनों के रुझानों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए ।

### Elective – II / ऐच्छिक – II

#### Industry and Society

#### उद्योग एवं समाज

3. Examine the need for informal groups in an organization.  
किसी संगठन में अनौपचारिक समूह की आवश्यकता का परीक्षण कीजिए ।
4. Division of labour in an organization leads to productivity – Discuss.  
किसी संगठन में श्रम के विभाजन से उत्पादकता में वृद्धि होती है । विवेचना कीजिए ।
5. Evaluate the impact of industrialization on family in India.  
भारत में परिवार पर उद्योगीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए ।

### Elective – III / ऐच्छिक – III

#### Sociology of Development

#### विकास का समाजशास्त्र

3. Is Indian social structure conducive to social development ?  
क्या भारतीय सामाजिक ढांचा सामाजिक विकास के अनुकूल है ?

4. How does culture help in promoting movements against development in India ?  
भारत के विकास के विरोध में संस्कृति किस प्रकार आन्दोलन खड़े करने में सहायक होता है ?
5. Economic growth need not promote human development. Discuss briefly.  
आर्थिक उन्नति से आवश्यक नहीं कि मानवीय विकास हो । संक्षिप्त चर्चा कीजिए ।

**Elective – IV / ऐच्छिक – IV**  
**Population and Society**  
**जनसंख्या एवं समाज**

3. Ageing of population will pose a serious problem for India in 2021. Discuss.  
भारत के लिए 2021 में इसकी आबादी में बुढ़ापा एक गम्भीर समस्या होगी । विवेचना करें ।
4. Morbidity rates for BIMARU States are not favourable to development – Discuss.  
बीमारू राज्यों में रूग्णता विकास के पक्ष में नहीं है । विवेचना करें
5. Can birth control be an effective policy for population control in India ?  
क्या भारत में जन्म नियन्त्रण इसकी जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी नीति हो सकती है ?

**Elective – V / ऐच्छिक – V**  
**Gender and Society**  
**लिंग एवं समाज**

3. Explain the role of patriarchy in perpetuating gender inequality.  
लिंग असमानता की वृद्धि के लिए पितृतन्त्र की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।
4. Discuss the significance of one of the social feminist theories in explaining gender relations.  
लैंगिक सम्बन्धों को स्पष्ट करने वाली किसी एक सामाजिक नारीवादी सिद्धान्त के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।
5. Evaluate the impact of globalization on women's development in India.  
भारत में नारी के विकास पर वैश्वीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए ।



















**SECTION – III**  
**खंड – III**

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

**नोट :** इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Explain Garfinkel's idea of Ethnomethodology.  
गार्फिनकिल के एथनो पद्धति सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

7. Examine the concept of Neo-Marxism.  
नव-मार्क्सवाद की अवधारणा का परीक्षण कीजिए ।



9. Bring out B.R. Ambedkar's views on subaltern perspective.  
बी.आर. अम्बेदकर के सबाल्टर्न सम्बन्धी दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए ।

10. Examine the causes for regional disharmony in India.  
भारत में क्षेत्रीय असमानता के कारणों का परीक्षण कीजिए ।





13. What is Indianisation of Sociology ?  
समाजशास्त्र का भारतीयकरण क्या है ?

14. Explain the causes for increasing suicide rate in India.  
भारत में आत्म हत्या दर की वृद्धि के कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

**SECTION – IV**

**खंड – IV**

**Note :** This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

**(5 × 5 = 25 Marks)**

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

In *Madness and Civilization*, Foucault points out that the construction of modern mental illness is quite different from earlier conceptions. Madness is thus historically contingent and not, as you might imagine, a universally recognized condition of unreason in contrast to reason. Furthermore, reason *as well as* madness is a social construction.

In medieval society, the madman, the fool, or the simpleton was regarded as the “guardian of truth” because “his simpleton’s language which makes for no show

of reason” was in fact “the words of reason” that revealed the truth (Foucault, 1964:14). It was in the seventeenth century that the understanding of madness began to change. Madness became identified with “poverty, ..... incapacity for work,... inability to integrate with the group.” The transformation was linked to the new importance given to the “obligation to work, and all the ethical values that are linked to labour,” as illustrated in Weber’s *The Protestant Ethic and the Spirit of Capitalism*. Madness, which before had “floundered about in broad daylight: in *King Lear*, in *Don Quixote*,” was now set apart and confined, “bound to reason, to the rules of morality and to their monotonous nights” (1964:64).

In the eighteenth century, madness as unreason resulted in the confinement of the mad: “Madness .... became the paradoxical manifestation of non-being,” and confinement was not to suppress but to “eliminate from the social order, a figure which did not find its place within it” (Foucault, 1961:115). Confinement cements unreason as the “empty negativity of reason”; by confinement, “madness is acknowledged to be *nothing*” (1961:116). The confined were not simply the demonstrably disturbed but also disruptive people, such as beggars, vagrants and prostitutes, whose behaviour deviated from the bourgeois model of the moral, industrious citizen.

‘मैडनेस एण्ड सिविलाइजेशन’ पुस्तक में फोकोल्ट दर्शाते हैं कि आधुनिक मानसिक रुग्णता की संरचना पहली अवधारणाओं से बिल्कुल अलग है । इस प्रकार पागलपन ऐतिहासिक रूप में आकास्मिकाश्रित है और जैसा आप सोचते हैं यह विश्वस्तर पर यह तर्क बुद्धि के उलट अतर्कबुद्धि की दशा नहीं है । इससे आगे, तर्कबुद्धि और पागलपन भी सामाजिक संरचना है ।

मध्यकालीन समाज में पागल व्यक्ति, मूर्ख अथवा बुद्ध को सत्य का अभिभावक माना जाता था क्योंकि उसकी बुद्धियों की सी भाषा जिसमें तर्कबुद्धि का कोई चिन्ह नहीं होता था, मगर उसके ये शब्द वास्तव में तर्क बुद्धि के शब्द होते थे जो सत्य को उद्घाटित करते थे । 17वीं शती में पागलपन को समझने की दिशा में परिवर्तन आया । पागलपन को निर्धनता ..... कार्य करने में असामर्थ्य ..... और समूह से सम्बद्ध होने की अयोग्यता अभिज्ञात किया जाने लगा । यह रूपान्तरण ‘काम के प्रति दायित्व’ और श्रम से जुड़े हुए सभी नैतिक मूल्यों को नवीन महत्त्व दिये जाने से सम्बद्ध किया जाता है जैसा कि वेबर की पुस्तक ‘दि प्रोटेस्टैंट एथिक एण्ड दि स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज़्म’ में स्पष्ट किया गया है । पागलपन, जो इससे पूर्व दिन-दिहाड़े भटकता फिरता था जैसा कि ‘किंग लियर’ और ‘डान म्युगजोट’ में । मगर अब उसे तर्क बुद्धि, नैतिकता के नियमों और उनकी नीरस रातों से सम्बद्ध कर दिया गया है ।

18वीं शती में पागलपन, जिसे अतर्कबुद्धि जाना जाता था, को परिणामतया परिरुद्ध कर दिया गया, पागलपन अन-अस्तित्व का विरोधाभासी हो गया । यह परिरुद्धता ऐसे व्यक्ति को दबाने के लिए नहीं, अपितु उसे उस सामाजिक श्रेणी से मिटाने के लिए ऐसा किया जाता था क्योंकि वे उस समाज में अपना स्थान नहीं ढूँढ पाते थे । परिरुद्धता अतर्कबुद्धि को दृढ़ करती है क्योंकि यह तर्कबुद्धि की खाली नकारात्मकता है । परिरुद्धता को अस्तित्वहीनता माना जाता है । परिरुद्ध व्यक्ति केवल प्रत्यक्षतया विशृंखल ही नहीं विध्वंसक भी होते थे जैसे भिखमंगे, आवारागर्द और वेश्याओं का व्यवहार पूँजी पति मॉडल के नैतिक और परिश्रमी नागरिकों से भिन्न होता है ।

15. How Foucault constructs modern mental illness ?  
आधुनिक मानसिक रुग्णता की संरचना फोकोल्ट किस प्रकार करते हैं ?

16. Who were considered as guardian of truth in medieval society ?  
मध्यकालीन समाज में सत्य का अभिभावक किन्हें माना जाता था ?

17. In 17<sup>th</sup> century madness was associated with what ?  
17वीं शती में पागलपन को किससे सम्बद्ध किया जाता था ?

18. What were the basis of change in the definition of madness in 18<sup>th</sup> century ?  
18वीं शती में पागलपन की परिभाषा में अन्तर आने के क्या आधार थे ?

19. What are the characteristics of confined people ?  
परिरुद्ध व्यक्तियों के लक्षण क्या हैं ?

**Space For Rough Work**

<b>FOR OFFICE USE ONLY</b>	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation)

Date .....